

बिहार को जल्द जोड़ा जाएगा टेफकोफ पोर्टल से

चर्चा में क्यों?

5 जनवरी, 2023 को बिहार के दूरसंचार विभाग (डीओटी) के वरिष्ठ उप महानिदेशक गरिजेश कुमार मशिरा ने बताया कि बिहार को जल्द से जल्द टेफकोफ (टेलीकॉम एनालेटिकल फॉर फ्रॉन्ट मैनेजमेंट एंड कंज्यूमर प्रोटेक्शन) पोर्टल से जोड़ा जाएगा, जिससे राज्य के मोबाइल उपभोक्ता घर बैठे पता लगा सकेंगे कि आपके नाम पर कितने मोबाइल समि कनेक्शन एक्टिव हैं तथा इनमें कितने फर्जी आईडी पर लयि गए और कब से उनका इस्तेमाल कयि जा रहा है।

परमुख बडि

- गरिजेश कुमार मशिरा ने बताया कि साइबर क्राइम और देश वरिधी एक्टिविटी में फर्जी समिों का इस्तेमाल खासकर सूबे के सीमावर्ती क्षेत्र नेपाल, रक्सौल, पूर्णिया, कटहार, कशिनगंज, सीतामढ़ी आदि इलाके में बडे पैमाने पर कयि जाने की सूचना आती रहती है।
- उन्होंने बताया कि टेफकोफ (टेलीकॉम एनालेटिकल फॉर फ्रॉन्ट मैनेजमेंट एंड कंज्यूमर प्रोटेक्शन) पोर्टल को वशिष तौर पर नॉर्थ ईस्ट स्टेट से जोड़ा गया है।
- उल्लेखनीय है कि टेफकोफ पोर्टल की शुरुआत 2020 में आंध्र प्रदेश से शुरू की गई थी। अभी तक आंध्र प्रदेश, केरल, राजस्थान, तेलंगाना, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मज़ोरम, जम्मू-कश्मीर और त्रिपुरा को टेफकोफ से जोड़ा गया है।
- डीओटी के वरिष्ठ उप महानिदेशक ने बताया कि जिस स्टेट में यह पोर्टल शुरू करना होता है, वहाँ का डेटा एक्त् कर टेस्ट कयि जाता है। इस प्रोसेस में दो-तीन माह का वक्त लगता है। एक-एक राज्य का चयन कर इसे लागू कयि जा रहा है।
- उन्होंने बताया कि पोर्टल पर आधार नंबर डालते ही मोबाइल धारक को यह पता चल जाएगा कि उसके नाम से कतिने समि एक्टिव हैं। पोर्टल के माध्यम से उपभोक्ता फर्जी तरीके से संचालित समि कनेक्शन को बंद करा सकते हैं। इसके लयि कंपनी को अनुरोध करना होगा। उसके बाद संबंधित उपभोक्ता के मामले की गहन जाँच-पड़ताल की जाएगी और मामला सही पाए जाने पर फर्जी कनेक्शन को बंद कर दयि जाएगा।